तुम राधे राधे बोलो

तुम राधे राधे बोलो
==========
(राधे, तूँ बड़भागिनी, कौन तपस्या कीन,
तीन लोक, तारन तरन, सो तेरे आधीन॥)

तुम, राधे राधे, बोलो, जी चाहे, यहाँ डोलो ॥
राधे राधे, राधे राधे, राधे राधे, बोलो...
(जी चाहे, यहाँ डोलो...)
तुम, राधे राधे, बोलो...

राधा, नाम से, कट जाते हैं, बंधन, सब इस जग के,
खुल जाते हैं, सब दरवाज़े, बंद हैं जो, इस घर के ॥
राधे राधे, राधे राधे, राधे राधे, बोलो...
(जी चाहे, यहाँ डोलो...)
तुम, राधे राधे, बोलो...

कान्हा कान्हा, राधा कहती, कान्हा राधे राधे,
एक दूजे से, पूर्ण होते, दोनों आधे आधे ॥
राधे राधे, राधे राधे, राधे राधे, बोलो...
(जी चाहे, यहाँ डोलो...)
तुम, राधे राधे, बोलो...

राधा नाम, ऋषि मुनि साधु, और देव सब गाते,
तीनों, लोक में, राधे राधे, की महिमा, है बताते ॥
राधे राधे, राधे राधे, राधे राधे, बोलो...
(जी चाहे, यहाँ डोलो...)
तुम, राधे राधे, बोलो...
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33799/title/tum-radhe-radhe-bolo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |